शब्दार्थ : रुचि = इच्छा (desire, wish) । **अन्न** = अनाज (grain) । **संतोषी** = थोड़े में संतुष्ट (contented, pesson) । **जुंडी** = जौ और बाजरे की बालियाँ (ears of cereal)।

शब्दार्थ : कंठ = गला (for) । **विजन** = एकांत, = गिराना (pour) ।

Scanned with CamScanner

प्रश्न-अभ्यास

कविता से—

प्रश्न 1. कविता पढ़कर तुम्हारे मन में चिड़िया का जो चित्र उभरता है उस चित्र को कागज़ पर बनाओ।

उत्तर— इस कविता को पढ़कर हमारे मन में छोटी-सी चिड़िया का चित्र उभरता है। इस चिड़िया की चोंच छोटी और पंख नीले हैं। वह मधुर स्वर में गाती है।

प्रश्न 2. तुम्हें कविता को कोई और शीर्षक देना हो तो क्या शीर्षक देना चाहोगे? उपयुक्त शीर्षक सोचकर लिखो।

उत्तर— हमें इस कविता का कोई और शीर्षक देना होगा तो हम 'नन्हीं चिड़िया' देंगे क्योंकि इस कविता में एक छोटी-सी चिड़िया के बारे में ही बताया गया है।

प्रश्न 3. इस कविता के आधार पर बताओ कि चिड़िया को किन-किन चीज़ों से प्यार है?

उत्तर— इस कविता के आधार पर चिड़िया को अन्न, विजन (एकांत) और नदी से प्यार है।

प्रश्न 4. आशय स्पष्ट करो—

(क) रस उँडेल कर गा लेती है।

(ख) चढ़ी नदी का दिल टटोलकर
जल का मोती ले जाती है।

उत्तर— (क) देखें पेज न. 1 काव्यांश न. 2।

(ख) देखें काव्याश न. 3।

अनुमान और कल्पना—

प्रश्न 1. कवि ने नीली चिड़िया का नाम नहीं बताया है। वह कौन-सी चिड़िया रही होगी? इस प्रश्न का उत्तर जानने के लिए भारत की चिड़ियों के बारे में सबसे अधिक जानकारी रखने वाले पक्षी-विज्ञानी सालिम अली की पुस्तक *'भारतीय पक्षी'* देखो। उसमें ऐसे सभी पक्षियों का विस्तार से वर्णन है जो हमारे देश में पाए जाते हैं। इनमें ऐसे पक्षी भी

Scanned with CamScanner

शामिल हैं जो जाड़े में एशिया के उत्तरी भाग और अन्य ठंडे देशों से भारत आते हैं। सालिम अली की पुस्तक देखकर तुम अनुमान लगा सकते हो कि इस कविता में वर्णित नीली चिड़िया शायद इनमें से कोई एक रही होगी :

नीलकंठ, छोटा किलकिला, कबूतर, बड़ा पतरिंगा।

उत्तर— सालिम अली की पुस्तक देखकर हम अनुमान लगा सकते हैं कि इस कविता में वर्णित नीली चिड़िया शायद बड़ा पतरिंगा रही होगी। उपर्युक्त वर्णित पक्षियों में से कबूतर तो हो ही नहीं सकता क्योंकि कबूतर के पंख नीले नहीं होते। नीलकंठ और छोटा किलकिला इनके पंख तो नीले हैं परंतु ये छोटे-छोटे जंतु खाते हैं अन्न नहीं और दूसरी बात इनकी चोंच छोटी नहीं होती। तो यह अवश्य ही पतरिंगा रही होगी।

प्रश्न 2. नीचे पक्षियों के कुछ नाम दिए गए हैं। उनमें यदि कोई पक्षी एक से अधिक रंग का है तो लिखो कि उसके किस हिस्से का रंग कैसा है? जैसे तोते की चोंच लाल है, शरीर हरा है।

मैना,	**कौआ,**	**बतख,**	**कबूतर**

उत्तर— मैना = चोंच पीली, सिर काला, पंख मटमैला
कौआ = काला
बतख = चोंच पीली, सिर नीला, शरीर सफ़ेद
कबूतर = स्लेटी

प्रश्न 3. कविता का हर बंध *'वह चिड़िया जो'* से शुरू होता है और *'मुझे बहुत प्यार है'* पर खत्म होता है। तुम भी दी गई इन पंक्तियों का अपनी कल्पना से प्रयोग करते हुए कविता में कुछ नए बंध जोड़ो।

उत्तर— वह चिड़िया जो—
पेड़ों की डाली पर झूमती-गाती
नन्हें-नन्हें पंखों को फैला
जहाँ-तहाँ मंडराती
वह छोटी-सी भोली चिड़िया
नीले पंखों वाली मैं हूँ
मुझे बच्चों से बहुत प्यार है।

प्रश्न 4. तुम भी ऐसी कल्पना कर सकते हो कि *'वह फूल का पौधा जो-पीली पंखुड़ियों वाला-महक रहा है—मैं हूँ।'* उसकी विशेषताएँ मुझ में हैं...। फूल के बदले वह कोई दूसरी चीज भी हो सकती है जिसकी विशेषताओं को गिनाते हुए तुम उसी चीज से अपनी समानता बता सकते हो... ऐसी कल्पना के आधार पर कुछ पंक्तियाँ लिखो।

उत्तर— नन्हा हूँ मैं,
पर फिर भी सदा महकता हूँ
पीले-पीले पंख हैं मेरे
सदा खुशबू फैलाता हूँ।
माली नित मुझे है सींचे
बाग में है मेरी हरियाली
नन्हा हूँ मैं
फिर भी सदा महकता हूँ

भाषा की बात—

प्रश्न 1. पंखों वाली चिड़िया
ऊपर वाली दराज़
नीले पंखों वाली चिड़िया
सबसे ऊपर वाली दराज़

यहाँ रेखांकित शब्द विशेषण का काम कर रहे हैं। नीचे *'वाला/वाली'* जोड़कर बनने वाले कुछ और विशेषण दिए गए हैं। ऊपर दिए गए उदाहरणों की तरह इनके आगे एक-एक विशेषण और जोड़ो—

उत्तर— अधिक मोरों वाला बाग
घने पेड़ों वाला घर
लाल फूलों वाली क्यारी
सफेद खादी वाला कुर्ता
बहुत रोने वाला बच्चा
घनी मूँछों वाला आदमी

प्रश्न 2. वह चिड़िया ..... जुंडी के दाने **रुचि से** ..... खा लेती है।
वह चिड़िया .....**रस उँडेलकर** गा लेती है।

• कविता की इन पंक्तियों में मोटे छापे वाले शब्दों को ध्यान से पढ़ो। पहले वाक्य में *'रुचि से'* खाने के ढंग की और दूसरे वाक्य में 'रस उँडेल कर' गाने के ढंग की विशेषता बता रहे हैं। अतः ये दोनों क्रिया-विशेषण हैं। नीचे दिए वाक्यों में कार्य के ढंग या रीति से संबंधित क्रिया-विशेषण छाँटो—

(क) सोनाली जल्दी-जल्दी मुँह में लड्डू ठूँसने लगी।
(जल्दी-जल्दी)

(ख) गेंद लुढ़कती हुई झाड़ियों में चली गई।
(लुढ़कती हुई)

(ग) भूकंप के बाद जनजीवन धीरे-धीरे सामान्य होने लगा। **(धीरे-धीरे)**

Scanned with CamScanner

(घ) कोई सफ़ेद-सी चीज़ धप्प से आँगन में गिरी। **(धप्प से)**

(ङ) टॉमी फुर्ती से चोर पर झपटा। **(फुर्ती से)**

(च) तेजिंदर सहमकर कोने में बैठ गया। **(सहमकर)**

(छ) आज अचानक ठंड बढ़ गई है। **(अचानक)**

Scanned with CamScanner